

# Khatu Shyam Aarti Lyrics in Hindi English

## Khatu Shyam Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।  
खाटू धाम विराजत,  
अनुपम रूप धरे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

रतन जड़ित सिंहासन,  
सिर पर चंवर दुरे ।  
तन केसरिया बागो,  
कुण्डल श्रवण पड़े ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

गल पुष्पों की माला,  
सिर पार मुकुट धरे ।  
खेवत धूप अग्नि पर,  
दीपक ज्योति जले ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

मोदक खीर चूरमा,  
सुवर्ण थाल भरे ।  
सेवक भोग लगावत,  
सेवा नित्य करे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

झांझ कटोरा और घडियावल,

शंख मृदंग घुरे ।  
भक्त आरती गावे,  
जय-जयकार करे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

जो ध्यावे फल पावे,  
सब दुःख से उबरे ।  
सेवक जन निज मुख से,  
श्री श्याम-श्याम उचरे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

श्री श्याम बिहारी जी की आरती,  
जो कोई नर गावे ।  
कहत भक्त-जन,  
मनवांछित फल पावे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जी श्री श्याम हरे ।  
निज भक्तों के तुमने,  
पूरण काज करे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।  
खाटू धाम विराजत,  
अनुपम रूप धरे ॥  
ॐ जय श्री श्याम हरे,  
बाबा जय श्री श्याम हरे ।

Khatu Shyam Aarti Lyrics in English

Om Jai Shri Shyam Hare,

Baba Jai Shri Shyam Hare.  
Khatu Dham Virajat,  
Anupam Roop Dhare.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Ratan Jadhrit Singhasan,  
Sir Par Chavar Dhure.  
Tan Kesariya Baago,  
Kundal Shravan Pade.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Gal Pushpon Ki Mala,  
Sir Par Mukut Dhare.  
Kewat Dhoop Agni Par,  
Deepak Jyoti Jale.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Modak Kheer Churma,  
Suwarn Thaal Bhare.  
Sevak Bhog Lagawat,  
Seva Nitya Kare.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Jhanjh Katora Aur Ghadiyawal,  
Shankh Mridang Ghure.  
Bhakt Aarti Gaave,  
Jai-Jaikar Kare.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Jo Dhyaave Phal Paave,  
Sab Dukh Se Ubare.  
Sevak Jan Nij Mukh Se,  
Shri Shyam-Shyam Uchare.

Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Shri Shyam Bihari Ji Ki Aarti,  
Jo Koi Nar Gaave.  
Kahat Bhakt-Jan,  
Manvanshit Phal Paave.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Ji Shri Shyam Hare.  
Nij Bhakton Ke Tumne,  
Puran Kaaj Kare.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.  
Khatu Dham Virajat,  
Anupam Roop Dhare.  
Om Jai Shri Shyam Hare,  
Baba Jai Shri Shyam Hare.

## About Khatu Shyam Aarti in English

“Khatu Shyam Aarti” is a powerful devotional hymn dedicated to Lord Shyam, also known as Khatu Shyam, a revered form of Lord Krishna worshipped primarily in the town of Khatu in Rajasthan, India. This aarti is sung to invoke the blessings of Lord Shyam, who is believed to fulfill the wishes of his devotees and grant them peace, prosperity, and spiritual well-being.

The aarti begins by glorifying Lord Shyam’s divine form, describing his majestic presence and his eternal association with Lord Krishna. The hymn praises his beauty, power, and grace, depicting him as the protector of his devotees and the remover of all obstacles. Lord Shyam is also depicted as the source of knowledge, strength, and mercy.

The song further emphasizes the devotional offerings made to Lord Shyam, such as modaks, kheer, and other offerings prepared by his devotees, expressing their love and gratitude. The aarti mentions the instruments like the conch and the drum that are played during the rituals, creating an atmosphere of devotion and celebration.

Singing the “Khatu Shyam Aarti” is believed to bring divine blessings, remove sorrow, and fulfill the desires of the devotees. It serves as a prayer for the well-being and spiritual upliftment of all those who sing it with faith and devotion.

## About Khatu Shyam Aarti in Hindi

“खाटू श्याम आरती” एक भक्ति गीत है जो भगवान खाटू श्याम को समर्पित है। भगवान श्याम, जो भगवान कृष्ण के रूप में पूजे जाते हैं, विशेष रूप से राजस्थान के खाटू धाम में उनकी पूजा की जाती है। इस आरती में भगवान श्याम की महिमा का बखान किया गया है और उनके आशीर्वाद की प्रार्थना की जाती है ताकि भक्तों के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो।

आरती की शुरुआत भगवान श्याम के दिव्य रूप की प्रशंसा से होती है, जिसमें उनके अद्वितीय रूप, शक्ति और सौंदर्य का वर्णन किया जाता है। उन्हें उनके भक्तों का रक्षक, विघ्नों को दूर करने वाला और परम दयालु बताया गया है। भगवान श्याम के साथ उनके देवालय में किए जाने वाले भोग और सेवा का भी उल्लेख है, जैसे मोदक, खीर और अन्य पकवान जो भक्त उनके चरणों में अर्पित करते हैं।

आरती के माध्यम से भगवान श्याम से आशीर्वाद की प्रार्थना की जाती है कि वे अपने भक्तों के दुखों को दूर करें और उन्हें हर क्षेत्र में सफलता, शांति और समृद्धि प्रदान करें। यह आरती भगवान श्याम के प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, जो जीवन में सकारात्मकता और आशीर्वाद लाती है।